Saumyendra Nath Brahmachary Distinguished Lecture Series: 43rd Lecture

Speaker: Prof. Asheesh Srivastava

Professor, Higher Education Policy & Dean, Academic & Research,
Inter University Centre for Teacher Education (IUCTE-BHU), Varanasi, U.P., India

Prof.Srivastava addressing the students and the faculty members

The 43rd Lecture of Acharya Saumyendra Nath Brahmachary Distinguished Lecture Series was organised by Dev Sangha Institute of Professional Studies and Educational Research, Deoghar on the topic **"Transforming Higher Education: The Jharkhand Vision",** by Prof. Asheesh Srivastava, Professor, Higher Education Policy & Dean, Academic & Research, Inter University Centre for Teacher Education (IUCTE-BHU), Varanasi, U.P., India on 22nd August 2026 at 02:30 P.M. in DIPSER Auditorium.

Prof. Srivastava began his lecture with an activity to stimulate 'out of the box' thinking. The activity set the tone of the lecture and its theme. He emphasized that in the current era, higher education should not be limited merely to obtaining a degree; rather, it must be integrated with knowledge, skills, research, innovation, technical proficiency, and social responsibility. He laid special emphasis on making higher education more inclusive, high-quality, and employment-oriented, aligning it with the socio-cultural and educational needs of Jharkhand. He presented insightful views on contemporary changes in higher education, quality, innovation, research, and the potential for developing the higher education sector in Jharkhand aligning with NEP 2020. He also inspired students and aspiring teachers to embrace quality education and a research-oriented mindset, and to play an active role in nation-building.

The lecture was highly informative as well as interactive, as it was in face-to-face mode and was attended by Teachers and Students of Dev Sangha Institute of Professional Studies and Educational Research. The programme was successfully anchored by Smt. Sneha Rani, Assistant Professor, DIPSER, and was coordinated by Shri Kumud Ranjan Jha, Coordinator, DLS Programme.

The event was covered by several newspapers on 23-08-2026. The screen shots of the Newspaper Clips are inserted below:

ज्ञान,नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की ओर एक सार्थक पहल

रिपब्लिक नेशन।

देवघर-देव संघ सेवा प्रतिष्ठान की इकाई देव संघ इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एण्ड एजुकेशन रिसर्च डिपसर, देवघर में सौमेंद्र नाथ ब्रम्हचारी विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 43वें व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान का विषय ''उच्च शिक्षा में परिवर्तन : झारखंड की दृष्टि था।मुख्य वक्ता प्रो.आशीष श्रीवास्तव, प्रोफेसर,हायर एजुकेशन पॉलिसी एवं डीन,एकेडमिक एंड रिसर्च,आईयूसीटीई -बीएचयू ने उच्च शिक्षा में समकालीन परिवर्तन,गुणवत्ता,नवाचार,अनुसंधान तथा झारखंड की उच्च शिक्षा इकाई के विकास की संभावनाओं पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए साथ ही साथ उन्होंने विद्यार्थियों एवं भावी शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधानपरक दृष्टिकोण तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सलाहकार ज्ञानविभूषित प्रोफेसर डॉ. तापस घोषाल, उप-प्राचार्य प्रो.डॉ. बबीता कुमारी की गरिमामयी उपस्थिति रही।इसके साथ ही महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, एम.एड., बी. एड. एवं डी.एल.एड. के छात्राध्यापिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

वक्तव्य के दौरान प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्ति तक सीमित न रखकर

ज्ञान, कौशल, अनुसंधान, नवाचार, तकनीकी दक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने झारखंड की सामाजिक-सांस्कृतिक एवं शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप उच्च शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुख बनाने पर विशेष बल दिया।

महाविद्यालय के सलाहकार प्रो. डॉ.तापस घोषाल ने कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे विशिष्ट व्याख्यान विद्यार्थियों एवं भावी शिक्षकों को उच्च शिक्षा की समकालीन चुनौतियों और संभावनाओं को समझने का अवसर प्रदान करते हैं साथ ही साथ उन्होंने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन के लिए शिक्षक, विद्यार्थी और शैक्षणिक संस्थानों की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उप-प्राचार्य डॉ. बबीता कुमारी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी विद्वानों एवं छात्राध्यापिकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सभी का सक्रिय सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। व्याख्यान के माध्यम से उन्हें उच्च शिक्षा नीति, शैक्षणिक परिवर्तन, अनुसंधान एवं भविष्य की शिक्षण-व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त हुई। अर्थात्समग्र रूप से 43वाँ सौम्येन्द्र नाथ ब्रम्हचारी विशिष्ट व्याख्यान ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं उच्च शिक्षा के भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाला महत्वपूर्ण शैक्षणिक आयोजन सिद्ध हुआ। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को झारखंड में उच्च शिक्षा के रूपांतरण की संभावनाओं पर चिंतन करने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण एवं उत्तरदायी शिक्षा के प्रति नई दृष्टि प्रदान की।शिक्षकों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा तथा संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं शोधपरक दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करता है।

Figure 1: Republican Nation 2308-2026

उच्च शिक्षा को डिग्री तक सीमित नहीं रखा जा सकता : प्रो आशीष

□ डिपसर में 43वें सौमेंद्र नाथ ब्रह्मचारी विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

वरीय संवाददाता, देवघर

डिपसर में सौमेंद्र नाथ ब्रह्मचारी विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के तहत शनिवार को 43वें व्याख्यान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का विषय उच्च शिक्षा में बदलावः झारखंड का विजन रहा. व्याख्यान के मुख्य वक्ता आईयूसीटीई-बीएचयू के प्रोफेसर एवं डीन (एकेडमिक एंड रिसर्च) प्रो आशीष श्रीवास्तव ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, इनोवेशन, अनुसंधान व झारखंड में शिक्षा के विकास की संभावनाओं पर विस्तार से विचार रखे. उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित नहीं रखा जा सकता. इसे ज्ञान, कौशल, अनुसंधान, तकनीकी दक्षता व सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना समय की आवश्यकता है. साथ ही झारखंड की सामाजिक व शैक्षिक जरूरतों के अनुरूप शिक्षा को समावेशी, गुणवत्तापूर्ण व रोजगारोन्मुख बनाने पर बल दिया. कार्यक्रम में महाविद्यालय के सलाहकार प्रो (डॉ) तापस घोषाल, उप-प्राचार्य प्रो(डॉ) बबीता कुमारी, सभी प्राध्यापक व छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. प्रो घोषाल ने कहा कि ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों व भावी शिक्षकों को समकालीन शैक्षिक चुनौतियों और अवसरों को समझने का मंच प्रदान करते हैं. डॉ बबीता कुमारी ने सभी का आभार जताया.

Figure 3 Prabhat Khabar 23-08-2026

नवाचार व गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की ओर डिपसर ने की पहल शुरू

जागरण संवाददाता, देवघर : देव संघ इंस्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड एजुकेशन रिसर्च(डिपसर) में सौमेंद्र नाथ ब्रह्मचारी विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 43 वां व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने उच्च शिक्षा में समकालीन परिवर्तन, गुणवत्ता, नवाचार, अनुसंधान तथा झारखंड की उच्च शिक्षा इकाई के विकास की संभावनाओं पर विचार प्रस्तुत किया। कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्ति तक सीमित न रखकर ज्ञान, कौशल, अनुसंधान, नवाचार, तकनीकी दक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना आवश्यक है।

Figure 2 Dainik Jagaran 23-08-2026